कान्हा की जोगन | by Acharya Gulshan Sharma

तेरी बंसी की सुन तान हो गया दिल दीवना
बनके नाचूंगी मैं तेरी जोगन कान्हा
तेरी बंसी की सुन तान हो गया दिल दीवना
तेरी मुरली की सुन तान हो गया दिल दीवना

जबसे धुन ये पड़ी कान में सुध तन की बिसराई है
कैसी प्रीत लगाए बैठी मैं नहीं समझ में आई है
मेरा हर ग़म बन जाए तेरे चरणों में ठिकाना
तेरी बंसी की सुन तान.....

आ जाओ मेरे प्रीतम प्यारे क्यों इतना तड़पाते हो
अपनी गोपी बना के मुझको क्यों नहीं रास रचाते हो
छोड़ के आई हूँ मैं तेरे पीछे सारा ज़माना
तेरी बंसी की सुन तान.....

बन के मैं तेरी दीवानी गली गली में घूमूंगी
श्याम नाम का पी कर प्याला मस्ती में अब झूमूंगी
गुलशन तेरे गुण गाये तूफानी भजन बनाना
तेरी बंसी की सुन तान.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%95%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a5%8d%e0%a4%b9%e0%a4%be-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%9c%e0%a5%8b%e0%a4%97%e0%a4%a8-by-acharya-gulshan-sharma/